AGRICULTURE UNIVERSITY,
JODHPUR
JODHPUR 342304, Rajasthan, India
कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर
जोधपुर 342304, राजस्थान, भारत

Telefax
0291 2570710(O)
0291-2570711
E-mail: vcunivag@gmail.com

डॉ. एम.एल. मेहरिया
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

दिनांक 28.01.2018

प्रेस नोट

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में

दिनांक 28–31 जनवरी तक कृषि मेले (राफ–2018) का शुभारम्भ

कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर एवं कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वाधान में कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर में **दिनांक 28–31 जनवरी 2018 तक** ''पश्चिमी क्षेत्रीय कृषि मेला'' का शुभारम विश्वविद्यालय के मंडोर स्थित मुख्यालय परिसर पर हुआ। इस अवसर पर मेले के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि माननीय श्री सी आर चौधरी, केन्द्रीय राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य, सार्वजनिक वितरण विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार ने मेले में आये किसानों को संबोधित करते हुऐ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के वर्ष 2022 तक किसानों की आमदनी को दोगुना करने के लक्ष्य को हासिल करने के लिये उन्होंने चार महत्वपूर्ण बाते बताई जिसमें कडी मेहनत, उन्नत एवं नवीनतम कृषि तकनीक को अपनाने, कृषि वैज्ञानिकों की सलाह एवं खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्द्धन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। श्री सी आर चौधरी जी ने बताया कि केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर दो लाख टन मूंग की फसल और सवा लाख टन उडद की फसल की खरीद की गई है। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों का आहा्वान किया कि ऐसी कृषि तकनीकों का विकास करे जिससे कम और खारे पानी में राजस्थान की भौगोलिक जलवायु के अनुरूप अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सके। श्री सी आर चौधरी ने यह भी बताया कि इस बार भारत सरकार की किसान हितेषी योजना के अर्न्तगत नीम कोटेड यूरिया का निर्माण कर रसायनिक खाद की कालाबाजरी को पूरी तरह से समाप्त किया गया। इस अवसर पर मेले के विशिष्ठ अतिथि राज्यसभा के मुख्य संचेतक एवं सांसद श्रीमान् नारायण पंचारिया ने अपने उद्बोधन में बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की दूरदर्शिता और गरीबों के प्रति विशेष सोच रखने के कारण ही आज जीरो बेलेन्स पर गरीबों के बैकों में खाते खोले गये ताकि गरीबों

को मिलने वाली केन्द्र की कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत मिलने वाली धनराशि सीधे ही गरीबों के स्वयं के खाते में हस्तांतरित हो रही है इसी कडी में आज गैस कनेक्शन प्राप्त करना बहुत ही आसान हो गया है और किसी भी तरह की प्रतीक्षा सूची नही है जिससे कि भ्रष्टाचार पर पूर्ण रूप से लगाम लग गई है। श्री पंचारिया जी ने यह भी बताया कि भारत सरकार द्वारा किसानों की हितेषी संस्था नाबार्ड का शेयर 5000 करोड से बढाकर 30000 करोड कर दिया गया है जिससे देश के किसानों को नाबार्ड से और अधिक लाभ प्राप्त हो पायेगा। इस अवसर पर मेले की अध्यक्षता करते हुऐ मिजोरम के पूर्व राज्यपाल माननीय श्री ए आर कोहली ने किसानों को सम्बोधित करते हुऐं अपने मिजोरम में राज्यपाल पद के कार्यकाल के दौरान हुऐ संरक्षित खेती और बागवानी के क्षेत्र में किये गये अभूतपूर्व कार्यो के बारे में बताते हुऐ कहां कि यह सब कुछ हमारे कृषि वैज्ञानिकों की बताई हुई नवीनतम तकनीकों को अपनाने के कारण और किसानों की दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण ही संभव हो पाया। श्री कोहली ने कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के कृषि वैज्ञानिकों का आहा्वान करते हुऐ कहां कि यदि यहां के वैज्ञानिक इस क्षेत्र के 10 प्रतिशत किसानों को भी नवीन कृषि तकनीकों को अपनाने के लिये प्रेरित करे तो निश्चित तौर पर इस क्षेत्र में किसानों की आर्थिक स्थिति बदल जायेगी। श्री कोहली ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के किसान हितेषी योजनाओं जैसे कम पानी में ज्यादा पैदावार (More crop per drop) राजस्थान की भौगोलिक परिस्थिति के अनुरूप अपानाने की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। श्री कोहली ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को जो विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र से आते है का आहा्वान किया कि वे कृषि शिक्षा प्राप्त कर अपने क्षेत्र में एक चेंज एजेन्ट के रूप में कार्य करे जिससे किसानों की आर्थिक और समाजिक स्थिति में सुधार हो सके। आईआईएम कोलकाता के प्रथम बैच के विद्यार्थी रहे श्री कोहली ने बताया कि यहां के मारवाडी लोगों की पूंजी प्रबंधन की क्षमता की विशेषता के बारे में भी बताया। उन्होंने केन्द्र की किसान कल्याणकारी योजनाओं जैसे सौर एवं बूंद बूंद सिंचाई पद्वति निश्चित रूप से किसानों की फसल लागत को कम कर उनके मुनाफे में बढोतरी करेंगी। इस अवसर पर उन्होंने आहा्वान किया कि हमें इंडिया को सशक्त नही करना बल्कि भारत को सशक्त करना और यह तभी संभव हो पायेगा कि जब हम देश के किसानवर्ग को आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से सशक्त करेंगें।

इस अवसर पर कृषि विश्वविद्यालय, जोधपुर के कुलपति डॉ बलराज सिंह जी ने अपने लगभग दो वर्ष के कार्यकाल में विश्वविद्यालय में सभी क्षेत्रो जैसे आधारभूत संस्थागत ढांचे के निर्माण तथा उसमें हुये सुधार, कृषि शिक्षा, कृषि अनुसंधान, कृषि प्रसार शिक्षा, बीज उत्पादन तथा नवीन परियोजनाओं के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी। डॉ बलराज सिंह जी ने बताया कि विश्वविद्यालय को कई करोड रू की धनराशि की विभिन्न परियोजनाऐं जिनमें राष्ट्रीय विकास योजना, अंतराष्ट्रीय बायोवरसिटी परियोजना, राष्ट्रीय दलहन परियोजना प्राप्त हो चुकी है और भविष्य में राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना एवं एसटीडीएफ के अंतर्गत करोडो रूपये की परियोजनाऐं शीघ्र ही विश्वविद्यालय को स्वीकृत होगी जिससे कि विश्वविद्यालय में त्वरित गति से मूलभूत आधारभूत ढांचागत सुधार होगा। इस अवसर पर मेले के विशिष्ठ अतिथि जिला प्रमुख श्री पुनाराम चौधरी, काजरी निदेशक, डॉ ओपी यादव, प्रबंध मंडल के माननीय सदस्य और प्रगति किसान श्री रतनलाल डागा जी, अखिल भारतीय बाजरा परियोजना की परियोजना निदेशक डॉ तारा सत्यवती व एफडीडीआई के कार्यकारी निदेशक श्री अशोक कुमार चौधरी, डॉ बी आर चौधरी, निदेशक अनुसंधान, कृषि महाविद्यालय, मंडोर, डॉ बी एस राजुपरोहित और सुमेरपुर के अधिष्ठाता डॉ एस डी रतनू, संयुक्त निदेशक कृषि श्री वी एस पांडे आदि कृषि वैज्ञानिक उपस्थित रहे। अंत में मेला प्रभारी और निदेशक प्रसार डॉ ईश्वर सिंह ने मेले में आये अतिथियों और किसानों का धन्यवाद ज्ञापित किया। मेले में प्रदेश के अन्य कृषि विश्वविद्यालयों और संस्थानों द्वारा लगभग 60 प्रदर्शनीयां भी लगाई गई। मेले में कृषि महाविद्यालय, सुमेरपूर के वैज्ञानिकों द्वारा निर्मित दो पत्रिका फसल विविधीकरण आज की आवश्यकता और फसल उत्पादन में जैव उर्वरकों का महत्व एवं प्रयोग विधियॉ का विमोचन किया गया।

इस अवसर पर मेले में विभिन्न क्षेत्रों से आये लगभग 2000 से अधिक किसानों ने मेले में लगी विभिन्न प्रदर्शनीयों का अवलोकन किया तथा फसल प्रदर्शनी में अपने अपने उत्पादनों की प्रदर्शनी लगाई एवं विभिन्न कृषि प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में बढ चढ कर हिस्सा लिया। मेले में मारवाडी नस्ल के अश्व, जमनापरी और सिरोही नस्ल की बकरे बकरीया और खरगोश और बटेर की विभिन्न प्रजातियों के पक्षी भी थे। मेले के द्वितीय सत्र में किसानों के लिये मसाला फसलों की नवीनतम तकनीक के बारे में तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया जिसमें प्रमुख विषय विशेषज्ञ के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बलराज सिंह ने

मसाला फसलों की वर्तमान स्थिति व उनके उत्पादन में आ रही बाधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा उनके उत्पादन बढाने पर प्रकाश डाला। डॉ टी एस राजपुरोहित ने मसाला फसलों के उत्पादन में आ रही विभिन्न बीमारियों के बारे में किसानों को बताया।

मेला प्रभारी एवं प्रसार निदेशक, डॉ. ईश्वर सिंह एवं डॉ. एम.एल. मेहरिया, सूचना एवं जन सम्पर्क अधिकारी, कृषि विश्वविद्यालय,जोधपुर ने अवगत कराया कि इस मेले में लगातार चार दिन विभिन्न तकनीकी सत्रों का आयोजन किया जायेगा जिसमें विभिन्न विषय विशेषज्ञ उपस्थित रहेंगे और किसानों के प्रश्नों का उत्तर देंगें।

(डॉ एम.एल. मेहरिया)